

प्रेषक,
राजीव चन्द्र,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।
सेवा में,
निदेशक,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,
देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 27 सितम्बर, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 में आयोजनागत पक्ष में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5905/वि0प्रौ0प0/सचि0/24/2008-09, दिनांक: 24 अगस्त, 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के 04 माह के लेखानुदान की धनराशि (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लिए) अनुदान संख्या-23 के लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान-60-अन्य-004-अनुसंधान तथा विकास-07-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को सहायता-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में शासन के पत्र संख्या: 226 (बजट)/XXXVIII/09-28/वि0प्रौ0/ 2009, दिनांक: 27 अप्रैल, 2009 के द्वारा धनराशि रू0 33,33,000.00 (रू0 तैतीस लाख तैतीस हजार मात्र) को स्वीकृत की गयी है।

वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-23 के लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित शर्तों के अधीन अवशेष धनराशि रुपये 66,67,000.00 लाख (रुपये छयासठ लाख सठसठ हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार कोषागार से आहरण किया जायेगा और मदवार आवश्यकतानुसार ही व्यय की जायेगी।
2. यह स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन हो अर्थात् आवंटित धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूलस एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा। उक्त निर्देशों का अनुपालन न होने की दशा में संबंधित का उत्तर दायित्व होगा।
3. व्यय करने से पूर्व जहाँ सक्षम अधिकारी का प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसे व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही व्यय किया जायेगा।
4. व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, अतः मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।

5. प्रत्येक माह की 07 तारीख तक माहवार व्यय विवरण एवं उपयोगिता तथा माह में किये गये कार्यों का प्रमाण-पत्र/विवरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा किये गये कार्यों एवं वार्षिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा और महालेखाकार से समय-समय पर आंकड़ों का मिलान सुनिश्चित किया जाए।
6. वर्ष के अन्त में कुल आवंटित धनराशि उक्तानुसार इंगित योजनाओं के सापेक्ष योजनावार अनुमोदित परिव्यय की सीमा के अधीन ही व्यय की जायेगी एवं व्यय करने से पूर्व परिषद द्वारा संबंधित योजनाओं/कार्यों हेतु कार्य योजना/Bench marks पर तथा तदनुसार व्यय हेतु अनुमोदन प्राप्त कर शासन से भी अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा। यदि उक्त इंगित किन्हीं योजनाओं में अधिक व्यय किया जाना प्रस्तावित हो अथवा अन्य योजनाओं/मदों में व्यय प्रस्तावित हो तो उस हेतु भी उक्तानुसार शासन से पूर्वानुमोदन प्राप्त कर किया जाए।
7. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जाए।
8. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004-अनुसंधान तथा विकास, 07-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को सहायता-00-आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत मानक मद संख्या-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 72 P/वि0अनु-5/09, दिनांक: 09 सितम्बर, 2009 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(राजीव चन्द्र)
सचिव।

संख्या: 384 (1)(बजट)/XXXVIII/09-28/2009, तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-5,
5. बजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
6. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।
8. निजी सचिव-प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)

अनु सचिव।